



भौतिक से डिजिटल सोने की ओर बदलाव

प्रलिम्स के लिये:

भौतिक से डिजिटल सोने की ओर बदलाव, [गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड \(ETF\)](#), गोल्ड म्यूचुअल फंड तथा [सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड](#), [रयिल एस्टेट](#), गोल्ड मुद्राकरण योजना में बदलाव।

मेन्स के लिये:

भौतिक से डिजिटल सोने की ओर बदलाव, नविश मॉडल, पूंजी बाज़ार

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल के वर्षों में [गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड \(ETF\)](#), गोल्ड म्यूचुअल फंड एवं [सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड](#) भौतिक सोने की तुलना में अधिक लोकप्रिय हो गए हैं जिनमें वशियकर भंडारण और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

सोना भारतीय परिवारों से कैसे संबंधित है?

■ भारतीय परिवारों के पास सोने का भार:

- [जेफरीज़](#) की [रिपोर्ट](#) के अनुसार, मार्च 2023 तक कुल भारतीय घरेलू संपत्तिका 15.5% सोने में है।
 - [जेफरीज़](#), एक अमेरिकी आधारित नविश बैंकिंग तथा पूंजी बाज़ार फर्म है जो अमेरिका, यूरोप एवं मध्य पूर्व तथा एशिया [मैनिशकों](#), [कंपनियों](#) व [सरकारों](#) को [अंतरदृष्टि](#), [वशियज्जता](#) एवं [नषिपादन सुवधि](#) प्रदान करती है।
- सोने की कुल हसिसेदारी में केवल [रयिल एस्टेट](#) का हसिसा 50.7% प्रतशित से अधिक है।
 - शेष हसिसेदारी में बैंक जमा (14%), बीमा नधि (5.9%), भवषिय और पेंशन नधि (5.8%), इक्वटी (4.7%) एवं नकद (3.4%) शामिल हैं।
- ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीयों का सोने के प्रतरिज्ञान सही है, क्योंकि क्वांटम म्यूचुअल फंड अध्ययन ने नषिकर्ष नकाला गया है कि जोखमि-रटिर्न के दृषटकिण से सोने के लिये 10-15% पोर्टफोलियो आवंटन उचित है।
- 10-15% आवंटन नविशकों को समग्र पोर्टफोलियो रटिर्न को प्रभावति कथि बनिा जोखमि कम करने की अनुमति देता है।

GOLD ACTS AS AN ASSET ALLOCATOR

Portfolio	100% Equity, 0% Gold	95% Equity, 5% Gold	90% Equity, 10% Gold	85% Equity, 15% Gold	80% Equity, 20% Gold	75% Equity, 25% Gold	70% Equity, 30% Gold
Returns (CAGR)	14.02%	14.04%	14.04%	14.01%	13.95%	13.87%	13.76%
Risk (Standard Deviation)	20.44%	19.40%	18.39%	17.42%	16.47%	15.57%	14.72%

Calculations based on domestic gold prices and Sensex data from Jan 1990 to Sep 2023
Source: Quantum Mutual Fund



■ भौतिक से डजिटल की ओर परिवर्तन:

- परंपरागत रूप से भारतीयों ने छोटे आभूषण अथवा गोलड बार और सक्कि के खरीदकर सोने की बचत की है, जसि बाद में शादी जैसे उपयुक्त समय पर बड़े आभूषणों में परिवर्तित कर दिया जाता है अथवा वित्तीय ज़रूरतों के समय परसिमाप्त कर दिया जाता है।
 - गोलड बार और सक्कि के बहुत तरल होते हैं, उनकी शुद्धता की हमेशा गारंटी नहीं होती है। उनकी भंडारण लागत अधिक होती है तथा वे खुदरा विक्रेता मार्क-अप एवं पुनर्विक्रय के समय कम मूल्य मिलने जैसी समास्याओं से परपूरण हैं।
- कति बदलती जनसांख्यिकी, बैंकिंग सुवधाओं तक अधिक पहुँच, डजिटल अर्थव्यवस्था के वसितार और वित्तीय नविश के तरीकों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ उपभोक्ता प्राथमिकता धीरे-धीरे भौतिक सोने से डजिटल रास्ते की ओर बढ़ रही है।
- इसके कारण आज देश में डजिटल गोलड नविश के साधन के रूप में गोलड ETF और SGB की स्वीकार्यता बढ़ रही है।

सोने में नविश के लिये डजिटल माध्यम क्या हैं?

■ गोलड ETF:

- परिचय: स्वर्ण/गोलड ETF, जसिका उद्देश्य घरेलू भौतिक सोने की कीमत का आकलन करना है, नषिक्रयि नविश साधन हैं जो सोने की कीमतों पर आधारित होते हैं तथा सोने को बुलियन में नविश करते हैं।
 - गोलड ETF भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करने वाली इकाइयाँ हैं जो कागज़ अथवा डीमैट रूप में हो सकती हैं।
 - एक गोलड ETF इकाई 1 ग्राम सोने के बराबर होती है और इसमें उच्च शुद्धता का भौतिक सोना होता है।
 - वे स्टॉक नविश के लचीलेपन और सोने के नविश की सहजता को संयोजित करते हैं।
- लाभ:
 - ETF की हसिसेदारी में पूरी पारदर्शिता रखी गई है।
 - गोलड ETF में भौतिक सोने के नविश की तुलना में बहुत कम खर्च होता है।
 - ETFs पर संपत्ति कर, सुरक्षा लेन-देन कर, वैट और बकिरी कर नहीं लगाया जाता है।
 - ETF सुरक्षति और संरक्षति होने के कारण चोरी का कोई डर नहीं होता क्योकि ये इकाइयाँ धारक के डीमैट खाते में होती हैं।
- डजिटल गोलड की ओर रुख: गोलड ETF में नविशकों की संख्या जनवरी 2020 में करीब 4.61 लाख से बढ़कर सितंबर 2023 में 48.06 लाख हो गई है।

■ गोलड म्यूचुअल फंड:

- गोलड म्यूचुअल फंड व्यवसायिक रूप से प्रबंधित फंड हैं जो सोने से संबंधित विभिन्न परसिंपत्तियों, जैसे- सोने के खनन स्टॉक, बुलियन और खनन कंपनियों में नविश करने के लिये कई नविशकों से पैसा इकट्ठा करते हैं।
- गोलड, एकसर्चज-ट्रेडेड फंड (ETF) की तरह वे नविशकों को भौतिक सोने में नविश कयि बना सोने के बाज़ार में नविश की अनुमति देते हैं।

■ सॉवरेन गोलड बॉण्ड:

- पहली SGB योजना नवंबर 2015 में सरकार द्वारा [स्वर्ण मुद्रीकरण योजना](#) के तहत शुरू की गई थी जसिका उद्देश्य भौतिक सोने की मांग को कम करना और घरेलू बचत का एक हसिसा वित्तीय बचत के रूप में स्थानांतरित करना था ताकि उसे सोने की खरीद के लिये इस्तेमाल कयि जा सके।

योजना संबंधी प्रमुख वविरण:

वस्तु	विवरण
जारीकरता	भारत सरकार की ओर से भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।
पात्रता	SGB की बकिरी नविसी व्यक्तियों, HUF (हद्वि अवभाजति परिवार), टरस्टों, वशिवदियालयों और धर्मार्थ संस्थानों के लिये प्रतबिंधति होगी।
अवधि	SGB की अवधि 8 वर्ष की होगी, जिसमें 5वें वर्ष के बाद समय से पहले भुनाने का विकल्प होगा।
न्यूनतम सीमा	न्यूनतम अनुमेय नविश की सीमा एक ग्राम सोना होगा।
अधिकतम सीमा	सदस्यता की अधिकतम सीमा प्रतवित्तीय वर्ष व्यक्तियों के लिये 4 कलोग्राम, HUF के लिये 4 कलोग्राम और टरस्टों के लिये 20 कलोग्राम तथा धर्मार्थ संस्थाओं के लिये सरकार द्वारा समय-समय पर अधसूचति (अप्रैल-मार्च) होगी।
संयुक्त धारक	संयुक्त धारक के मामले में 4 कलोग्राम की नविश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी।
नरिगमन मूल्य	इंडिया बुलियिन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लमिटेड द्वारा प्रकाशति 999 शुद्धता वाले सोने की क्लोजगि प्राइस के सामान्य औसत के आधार पर SGB की कीमत भारतीय रुपए में तय की जाएगी।
ब्याज दर	नविशकों को नविश के आरंभिक मूल्य (अंकति मूल्य या घोषति मूल्य) पर 2.50 प्रतशित प्रतविवर्ष की नयित दर पर अर्द्धवार्षिक रूप से देय होगा।
संपार्श्वकि	SGB को ऋणों के लिये संपार्श्वकि के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।
कर उपचार	आयकर अधनियम, 1961 के उपबंधों के अनुसार, SGB पर ब्याज कर देना होगा। किसी व्यक्त को SGB के मोचन से प्राप्त पूंजी लाभ कर पर छूट दी गई है।
व्यापार योग्यता	SGB स्टॉक एक्सचेंजों में व्यापार योग्य होंगे।
SLR पात्रता	केवल ग्रहणाधिकार/बंधक/गरिवी रखने की प्रक्रिया के माध्यम से बैंकों द्वारा अर्जति SGB की गणना सांविधिक नकदी अनुपात में की जाएगी।

डजिटिल गोल्ड:

- यह डजिटिल गोल्ड नविश के प्रकारों में से एक है जहाँ कोई भी छोटे मूल्यवर्ग में सोना ऑनलाइन खरीद सकता है।
- यह नविशकों को भौतिक सोने के एक हस्से का मालिक बनने की अनुमति देता है जिसे तजोरियों में सुरकषति संगरहीत किया जाता है।
- यह नविश नविशक को भौतिक सोने के नविश के साथ आने वाली चुनौतियों के बारे में चिंता किये बिना सोने के बाज़ार में नविश की अनुमति देता है।
- कई डजिटिल भुगतान प्लेटफॉर्म और नविश एप डजिटिल गोल्ड में नविश की सुविधा प्रदान करते हैं।

एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ETF)

- एक एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ETF) प्रतभूतियों की एक बास्केट है जो स्टॉक की तरह ही एक्सचेंज पर व्यापार करती है।
- एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, BSE सेंसेक्स की तरह एक सूचकांक की संरचना को दर्शाता है। इसका ट्रेडिंग मूल्य अंतरनहिति शेयरों (जैसे शेयर) के नेट एसेट वैल्यू (NAV) पर आधारित होता है, जिसका यह प्रतनिधित्व करता है।
- ETF शेयर की कीमतों में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहता है क्योंकि इसे खरीदा और बेचा जाता है। यह म्युचुअल फंड से अलग है जिसका बाज़ार बंद होने के बाद दिन में केवल एक बार व्यापार होता है।
- एक ETF वभिन्न उद्योगों में सैकड़ों या हज़ारों शेयर रख सकता है, या फिर उसे किसी एक विशेष उद्योग या क्षेत्र में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- बॉण्ड ETF एक प्रकार के ETF हैं जिनमें सरकारी बॉण्ड, कॉरपोरेट बॉण्ड और राज्य तथा स्थानीय बॉण्ड शामिल हो सकते हैं, जिनमें म्युनिसिपल बॉण्ड कहा जाता है।
 - बॉण्ड एक ऐसा साधन है जो एक नविशक द्वारा एक उधारकरता (आमतौर पर कॉरपोरेट या सरकारी) को दिये गये ऋण का प्रतनिधित्व करता है।
- लागत प्रभावी होने के अलावा ETF नविशकों को वविधि नविश पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत सरकार की बॉण्ड यीलड नमिनलखिति में से किससे प्रभावति होती है? (2021)

- युनाइटेड स्टेट्स फेडरल रज़िर्व की कार्रवाइयों से
- भारतीय रज़िर्व बैंक के कार्य से
- मुद्रास्फीति और अल्पकालिक ब्याज दरों के कारण

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बॉण्ड पैसा उधार लेने का साधन है। किसी देश की सरकार या किसी कंपनी द्वारा धन जुटाने के लिये बॉण्ड जारी किया जा सकता है।
- बॉण्ड यील्ड वह रटिर्न है जो एक निवेशक को बॉण्ड पर मलितता है। प्रतफिल की गणना के लिये गणतीय सूत्र बॉण्ड के मौजूदा बाज़ार मूल्य से विभाजित वार्षिक कूपन दर है।
- प्रतफिल में उतार-चढ़ाव ब्याज दरों के रुझान पर निर्भर करता है, इसके परिणामस्वरूप निवेशकों को पूंजीगत लाभ या हानि हो सकती है।
- बाज़ार में बॉण्ड यील्ड बढ़ने से बॉण्ड की कीमत नीचे आ जाएगी।
- बॉण्ड यील्ड में गिरावट से निवेशक को फायदा होगा क्योंकि बॉण्ड की कीमत बढ़ेगी, जिससे पूंजीगत लाभ होगा।
- फेड टेपरिंग अमेरिकी फेडरल रज़िर्व के बॉण्ड खरीद कार्यक्रम में क्रमिक कमी हुई है। इसलिये यूनाइटेड स्टेट्स फेडरल रज़िर्व की कोई भी कार्रवाई भारत में बॉण्ड यील्ड को प्रभावित करती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- सरकारी बॉण्ड का प्रतफिल निर्धारित करने में RBI की कार्रवाईयाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अर्थव्यवस्था में ब्याज दरों की एक वसितृत शृंखला को प्रभावित करने में मौद्रिक नीतिके लिये संप्रभु यील्ड वक्र का विशेष महत्व है। **अतः कथन 2 सही है।**
- मुद्रास्फीति और अल्पकालिक ब्याज दरें भी सरकारी बॉण्ड यील्ड को प्रभावित करती हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में दिखने वाले 'आइ.एफ.सी.मसाला बॉण्ड (IFC Masals Bonds)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम (इंरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन), जो इन बॉण्डों को प्रस्तावित करता है, विश्व बैंक की एक शाखा है।
2. ये रुपया अंकित मूल्य वाले बॉण्ड (Rupee-denominated Bonds) हैं और सार्वजनिक एवं नजिी क्षेत्र के ऋण वित्तीयन के स्रोत हैं।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- विश्व बैंक समूह, जो विकासशील देशों की वित्तीय और तकनीकी सहायता का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, में पाँच विशिष्ट लेकनि पूरक संगठन शामिल हैं।
- पुनर्निर्माण और विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD)।
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)।
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम (IFC)। **अतः कथन 1 सही है।**
- बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA)।
- निवेश विवादों के निपटान के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)।
- मसाला बॉण्ड भारत के बाहर जारी किये गए बॉण्ड होते हैं, लेकिन स्थानीय मुद्रा की बजाय इन्हें भारतीय मुद्रा में निरदिष्ट किया जाता है। मसाला का अर्थ है 'मसाले' और इस शब्द का इस्तेमाल अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम (IFC) द्वारा वदिशी प्लेटफॉर्मों पर भारत की संस्कृति और व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने के लिये किया गया था। मसाला बॉण्ड का उद्देश्य भारत में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को वित्तपोषित करना, उधार के माध्यम से आंतरिक विकास को बढ़ावा देना और भारतीय मुद्रा का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना है। **अतः कथन 2 सही है।**

अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।

प्रश्न. सरकार की 'संप्रभु स्वर्ण बॉण्ड योजना (Sovereign Gold Bond Scheme)' और 'स्वर्ण मुद्राकरण योजना (Old Monetization Scheme)' का/के उद्देश्य क्या है/हैं? (2016)

1. भारतीय गृहसूत्रों के पास निषिकरयि पड़े स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना।
2. स्वर्ण एवं आभूषण के क्षेत्र में FDI को प्रोत्साहित करना।

3. स्वरुण के आयात पर भारत की नरुभरता में कमी लाना ।

नीचे दये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/shift-from-physical-to-digital-gold>

